बेरार जनरल एज्युकेशन सोसाइटी का चुनाव परिणाम घोषित

एडवोकेट मोतीसिंह मोहता अध्यक्ष निर्वाचित

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अकोला, 9 फरवरी- बेरार जनरल एजुकेशन सोसायटी द्वारा संचालित अकोला स्थित आर. एल. टी. साइंस कॉलेज तथा कारंजा स्थित किसनलाल नथमल गोयनका कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय-इन दो मतदान केंद्रों पर रविवार, 8 फरवरी को सुबह मतदान प्रक्रिया शुरू हुई. दोपहर 3 बजे तक चली मतदान प्रक्रिया में कुल 319 में से 261 सभासदों ने अपने मताधिकार का उपयोग किया. इनमें कारंजा केंद्र पर 28 तथा अकोला केंद्र पर 233 सभासदों ने मतदान किया.

मतदान के पश्चात अकोला के आर.एल.टी. साइंस कॉलेज के सभागृह में सायंकाल मतगणना प्रक्रिया प्रारंभ की गई. अध्यक्ष पद के लिए निवर्तमान अध्यक्ष एडवोकेट मोतीसिंह घनश्यामदास मोहता एवं पूर्व अध्यक्ष डॉ. राजकुमार बालाबकस हेडा के बीच कड़ा मुकाबला देखने को

मिला. मतगणना के अंत में एडवोकेट मोतीसिंह मोहता ने 141 मत प्राप्त कर विजय हासिल किया, जबकि डॉ. आर.बी. हेडा को 118 मत मिले. इसके साथ ही एडवोकेट मोतीसिंह मोहता को बेरार जनरल एजुकेशन सोसायटी, अकोला का अध्यक्ष चुना गया.कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए इंजि. अभिजीत गोविंद परांजपे ने 140 मत प्राप्त कर जीत दर्ज की, जबकि शरद अभयकुमार चवरे को 118 मत मिले. सहसचिव पद पर अमित अविनाश सुरेका ने 163 मत प्राप्त कर विजय प्राप्त की, वहीं डॉ. रविंद्र चंपालाल जैन को 97 मत मिले. ज्येष्ठ उपाध्यक्ष विजयकुमार तोष्णीवाल तथा सचिव पवन माहेश्वरी निर्विरोध निर्वाचित हुए.कार्यकारी समिति सदस्य चुनाव में एडवोकेट संजय अटल ने 189 मत प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया. इसके बाद डॉ. अजय कामत (179), करण चीमा (178), मनोजसिंह बिसेन (171), श्रीकृष्ण अमरावतीकर (160), राहुल महाजन (158), अभय बिजवे (153), ललित अग्रवाल (145), गोविंद कायडीवाल (145), एडवोकेट सुशील शर्मा (144), आनंद चांदक (143) तथा नरेंद्र बाहेती (142) ने विजय प्राप्त की.

परिणाम घोषित होने के बाद नवनिर्वाचित अध्यक्ष एडवोकेट मोतीसिंह मोहता ने प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि, सभासदों द्वारा व्यक्त किए गए विश्वास पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास किया जाएगा. गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पारदर्शी प्रशासन और सभी घटकों को साथ लेकर संस्था के शैक्षणिक विकास को गति देना हमारा प्रमुख उद्देश्य रहेगा.चुनाव प्रक्रिया शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न हुई. परिणाम घोषित होते ही सभासदों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का अभिनंदन किया.

अध्यक्ष एड. मोतीसिंह मोहता का सिद्धार्थ शर्मा ने किया स्वागत

विदर्भ की प्रतिष्ठित शिक्षा संस्था बेरार जनरल एजुकेशन (बीजीई) सोसायटी अकोला के अध्यक्ष पद पर एड. मोतीसिंह मोहता का दुबारा चयन होने पर सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल अकोला के महासचिव ,पत्रकार सिद्धार्थ शर्मा ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहता का स्वागत किया. इस अवसर पर बीजीई सोसायटी के नवनिर्वाचित कार्यसमिति के सदस्य उपस्थित थे.

सातवीं की छात्रा के साथ मुख्याध्यापक ने कार में किया दुष्कर्म

रात 11 बजे कॉल कर बस स्टैंड पर मिलने बुलाया

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार
यवतमाल, 9 फरवरी- घाटंजी तहसील की जिला परिषद स्कूल के मुख्याध्यापक द्वारा सातवीं कक्षा में पढ़नेवाली एक छात्रा के साथ दरिंदगी करने की घटना रविवार, 8 फरवरी को सामने आई. इस मामले में दर्ज शिकायत के आधार पर नराधम मुख्याध्यापक किशोर मालवीय (50) के खिलाफ पोक्सो सहित विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया है. उल्लेखनीय है कि मुख्याध्यापक मालवीय पीड़िता छात्रा को हमेशा परेशान करते रहता था. वह उसे धमकाता था कि जब बुलाऊंगा तब उसे मिलने के लिए आना ही होगा. इसी बीच 5 फरवरी को उसने छात्रा को धमकाया कि मैं तुम्हें फोन करूंगा तब तुम्हें गांव के बस स्टैंड पर रात को मिलने के लिए आना होगा. और अगर इसके बारे में घर पर किसी को बताया तो तुम्हें जान से मार दूंगा. इतना ही नहीं उस नराधम ने रात 11 बजे के दौरान

छात्रा के पिता के मोबाइल पर उसे फोन किया. मोबाइल छात्रा के पास ही था और वह कॉल आने के बाद घबराई हुई रात को बस स्टैंड पर पहुंची. तब मुख्याध्यापक मालवीय अपनी कार में बैठा था. उसने परिस्थिति का फायदा उठाते हुए कार में ही छात्रा के साथ जबरन दुष्कर्म किया.

डरी हुई छात्रा किसी तरह उसके चंगुल से छूटकर घर पहुंची. जब छात्रा घर पहुंची, तो उसने रोते हुए अपने परिवार को पूरी घटना बताई. इसके बाद 7 फरवरी को लड़की के पिता ने पुलिस थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई. शिकायत में यह भी कहा गया है कि मुख्याध्यापक ने इससे पहले भी मई 2025 में छात्रा को स्कूल के डिजिटल रूम में बुलाया था और उसके साथ दुष्कर्म किया था.

आरोपी गिरफ्तार, कार जब्त

शिकायत मिलते ही घाटंजी पुलिस ने एक टीम भेजकर आरोपी मुख्याध्यापक को यवतमाल से गिरफ्तार कर लिया. उसके खिलाफ इंडियन पीनल कोड की धारा 64 (2), एफएम 65 (1), 351 (3) और पोस्को एक्ट की धारा 4 (6) के तहत मामला दर्ज किया गया है. आरोपी को 21 फरवरी तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है. पुलिस ने घटना में आरोपी द्वारा इस्तेमाल की गई कार जब्त कर ली है.

जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्रों की

जोनवार सुविधा पुनः शुरू करने के निर्देश

प्रत्येक जोन में 4 अतिक्रमण निर्मूलन दल गठित करने का महापौर का आदेश

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अकोला, 9 फरवरी- अकोला महानगरपालिका क्षेत्र में जोनवार जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया कुछ कारणों से बंद कर दी गई थी, जिसके चलते नागरिकों एवं विद्यार्थियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र अत्यंत आवश्यक एवं महत्वपूर्ण शासकीय दस्तावेज हैं, जिनकी आवश्यकता शैक्षणिक, वैद्यकीय तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के लिए तत्काल होती है. इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए नागरिकों की सुविधा हेतु जोनवार जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने की व्यवस्था पुनः शुरू करने के निर्देश महापौर शारदा खेड़कर ने प्रशासन को दिए हैं. साथ ही नागरिकों एवं विद्यार्थियों को जन्म-मृत्यु प्रमाणपत्र निर्धारित समय-सीमा में उपलब्ध हों, इसके लिए प्रशासन को विशेष सतर्कता बरतने के भी निर्देश दिए गए हैं.इसी प्रकार शहर के सार्वजनिक मार्गों, चौकों, बाजार क्षेत्रों, अनधिकृत निमार्णों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर हो रहे अतिक्रमणों के

कारण यातायात एवं दैनिक आवागमन में बाधाएं उत्पन्न हो रही हैं. इन अतिक्रमणों पर प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महानगरपालिका क्षेत्र के प्रत्येक जोन में वाहन सहित स्वतंत्र अतिक्रमण निर्मूलन दल गठित कर उन्हें कार्यान्वित करने के निर्देश भी महापौर द्वारा दिए गए हैं. इन दलों के लिए आवश्यक मनुष्यबल की नियुक्ति कर उन्हें वाहन एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जाएं, ताकि शहर में अतिक्रमण के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई की जा सके, ऐसा भी महापौर शारदा खेड़कर ने स्पष्ट किया.

कस्तूरी धाम में मनाया गया गजानन महाराज प्रगट दिन

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार
अकोला- संत गजानन महाराज प्रकट दिन के उपलक्ष्य में सामाजिक संस्था कस्तूरी चेरिटेबल सोसायटी अकोला की ओर से डाबकी

रोड स्थित कस्तूरी धाम में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए. कस्तूरी संस्था के अध्यक्ष समाजसेवी एड. किशोर बुटोले के नेतृत्व में प्रकट दिन पर सुबह गजानन महाराज मंदिर में पूजा-अर्चना की गयी. इसके पश्चात यत्र और पूणार्हूति के बाद दोपहर में महाप्रसाद का आयोजन किया गया. अकोला से शेगांव जानेवाले भक्तों को महाप्रसाद वितरण किया गया. सैकड़ों महिला-पुरुष भक्तों ने महाप्रसाद ग्रहण किया. कस्तूरी संस्था के अध्यक्ष एड किशोर बुटोले, यशवंत देशपांडे, अमर शर्मा, संजय बुटोले, ठाकरे आदि ने प्रकट दिन के सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने अथक प्रयास किए.

अनोखा रहा अली पब्लिक स्कूल बालापुर का वार्षिक समारोह

विद्यार्थियों के प्रदर्शन से अभिभावकों में उत्साह

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार
अकोला,9 फरवरी- स्थानीय राज माइनॉरिटी एज्युकेशन फाउंडेशन की ओर से संचालित बालापुर की प्रसिद्ध अली पब्लिक स्कूल में हर साल की तरह इस साल भी 6 फरवरी की शाम अल्हाज सत्तार खान फंक्शन हॉल के परिसर में वार्षिक समारोह बड़े उत्साह के साथ मनाया गया.

नर्सरी क्लास से पांचवीं क्लास के विद्यार्थियों ने बहुत ही सुंदर और आकर्षित कार्यक्रम पेश किए जिसमें विभिन्न एक्शन सोंग्स, शादी को सादी बनाओ विषय पर ड्रामा,मोबाइल के गलत उपयोग और सेल्फ डिफेंस पर विशेष कार्यक्रम, इंग्लिश, हिंदी, मराठी, अरेबिक और उर्दू भाषाओं में विभिन्न विषयों पर तकरीरें,सवाल जवाब और डिबेट आदि का समावेश है. इस कार्यक्रम में मुफ्ती मोहम्मद अशफाक कासमी साहब,पूर्व न्यायाधीश मंजूर नदीम साहब, मोहम्मद रफीक सर, सय्यद मोहसिन अली,मैनेजमेंट के पदाधिकारी, डॉ जुबैर नदीम,तौसीफ उर रहमान सर,उबैद काजिम, मुहम्मद मुजम्मिल, अब्दुल्लाह काजिम और शहर के गणमान्य व्यक्ति विशेष रूप से उपस्थित थे. इस कार्यक्रम की खास बात यह रही कि पूरे कार्यक्रम का संचालन भी स्कूल के तीसरी और चौथी क्लास के विद्यार्थियों ने ही किया, जिससे स्कूल के विद्यार्थियों का आत्मविश्वास समझ में आता है.इस बीच अंतरराष्ट्रीय ओलमपियाड परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों और जिलास्तरीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में दूसरा स्थान प्राप्त करने वाली टीम के विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को भी मान्यवरों के हाथों सम्मानित किया गया.स्कूल के सचिव डॉ जुबैर नदीम ने इस साल स्कूल को मिलने वाली विभिन्न सफलताओं पर रोशनी डाली गई.अतिथियों ने स्कूल डायरेक्टर, मुख्याध्यापिका,सभी शिक्षिकाओं और शिक्षकों की खूब प्रशंसा की. साथ ही अभिभावकों का भी आभार व्यक्त किया और मुबारकबाद पेश की. भारी संख्या में उपस्थित अभिभावकों और अन्य नागरिकों ने इस कार्यक्रम को सफल और यादगार बना दिया.इस कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल की डायरेक्टर अंबर काजिम, मुख्याध्यापिका रिजवाना परवीन के साथ इंचार्ज सुमैया तसनीम, सांस्कृतिक समिति के इंचार्ज फिरदौस जमाल, तहरीम फातेमा और सभी शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मियों ने प्रथम अथक प्रयास किए.

मेलघाट में एसटी का महाप्रताप

खंडवा नहीं गई, धारणी से ही लौटी वापस

व्यापारियों को भारी असुविधा

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
धारणी, 9 फरवरी- मेलघाट के धारणी चिखलदरा भाग के लिए कुछ नई बसेस एसटी महामंडल द्वारा दी गई है, लेकिन फिर भी डिपो मैनेजर अथवा ड्राइवर-कंडक्टर्स की मनमानी कम नहीं हुई है. 8 फरवरी को अमरावती-खंडवा बस खंडवा नहीं गई, धारणी में ही खड़ी रही और शाम में आधा-अधूरा सफर करते हुए अमरावती वापिस लौट गई. जिससे धारणी के अनेक व्यवसायियों को एसटी स्टाफ के ऐसे लापरवाह कारोबार का फटका पड़ा है.

रविवार के दिन खंडवा शहर में आठवडी बाजार सजता है. इसलिए धारणी के व्यवसायी रविवार के दिन खंडवा में खरीदारी करने के लिए पहुंचते रहते है. खंडवा के लिए धारणी से अमरावती-खंडवा एसटी बस क्रमांक एमएच-14 एमएच 4743 धारणी में ही रुकी रही. शाम में धारणी से ही 5:30 बजे अमरावती की ओर रवाना हो गई. इसके कारण धारणी से खंडवा व खंडवा से धारणी आने वाले प्रवासियों को असुविधा का सामना करना पड़ा. इस संदर्भ में स्थानीय डिपो नियंत्रक से पूछने पर, 'अमरावती से 4 घंटे देरी से बस निकलने से प्रवास पूर्ण करना असंभव इसलिए धारणी में गाडी रोकनी पड़ी' ऐसा जवाब मिला.

अमरावती और परतवाड़ा एसटी डिपो की बसेस का संचालन हमेशा त्रुटिपूर्ण रहता है, जिसकी मेलघाट के प्रवासियों पर सीधे मार पड़ती है, प्रवासियों को बड़ी असुविधा होती है. इस पर भी विशेष बात यह है कि उपरोक्त बस नई है, बहुत अच्छी कंडीशन में है !

जनसहभागिता की 166 करोड़ रुपए से बकाया भुगतान

▶▶न.प. की आर्थिक स्थिति पटरी पर लाना नए पदाधिकारियों के समक्ष चुनौती ▶▶ प्रतिमाह 3.69 करोड़ से अधिक का है खर्च

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार
यवतमाल,9 फरवरी- कई वर्षों के बाद यवतमाल नगर परिषद में कामकाज की कमान नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने संभाल ली है. नगराध्यक्ष के नेतृत्व में शहर की बागडोर फिर से जनप्रतिनिधियों के हाथों में आई है. हालांकि, खाली तिजोरी, बढ़ता अस्थापना खर्च और स्वयं के संसाधनों की भारी कमी जैसी चुनौतियां नए पदाधिकारियों के सामने खड़ी हैं. नगर परिषद का मासिक खर्च लगभग 3 करोड़, 69 लाख, 95 हजार रुपए है. साथ ही सरकारी की विभिन्न योजनाओं के तहत जन सहभागिता के रूप में 166 करोड़ रु. का भुगतान शेष है, इससे आर्थिक संकट में होने वाले नगर परिषद को पटरी पर लाने की चुनौती नए पदाधिकारियों के समक्ष है.नगर परिषद की चुनाव प्रक्रिया वर्ष 2016 में हुई. इसके बाद जनप्रतिनिधियों का कार्यकाल समाप्त होने पर वर्ष 2025 तक लगातार साढ़े पांच वर्षों तक प्रशासनिक कामकाज चला. अब नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों ने कार्यभार संभाला है. चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने

के लिए सबसे पहले उन्हें वित्तीय संतुलन स्थापित करना होगा. दैनिक आवश्यक खर्चों को पूरा करते हुए विकास कार्यों की योजना बनाना उनके लिए बड़ी चुनौती होगी. नगर परिषद कर वसूली के दौरान शिक्षा कर और रोजगार गारंटी कर भी वसूल करती है, जिसकी राशि सरकार को जमा करनी होती है. कुल कर राशि में से लगभग 30 लाख रु. सरकार को देना अनिवार्य है. आय पहले से कम होने के बावजूद नियमों के कारण यह राशि बाहर जाती है. नगर परिषद में 72 संवर्ग कर्मचारी, 192 सफाई कर्मचारी और 450 से अधिक सेवानिवृत्त कर्मचारी हैं. इन सभी पर हर महीने लगभग 2 करोड़, 92 लाख रु. वेतन और पेंशन के रूप में खर्च होते हैं. इसके अलावा ठोस कचरा प्रबंधन पर 70 लाख रु., बिजली बिल पर 55 लाख रु. और देखभाल व मरम्मत पर करीब 5 लाख रु. खर्च किए जाते हैं.सरकारी की ओर से नगर परिषद को 15वें वित्त आयोग के तहत मिलने वाला लगभग 12 करोड़ रु. का अनुदान अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है. शहर की स्वच्छता से जुड़े अधिकांश कार्य इसी निधि से किए जाते थे. अब वैकल्पिक व्यवस्था करना पड़ रहा है, जिससे नगर परिषद का आर्थिक संकट और अधिक गंभीर हो गया है.

आय बढ़ाने के लिए पहल करने की जरूरत

नगर परिषद को मुख्य रूप से संपत्ति कर, दुकानों का किराया, दैनिक बाजार वसूली, संपत्ति पंजीकरण, निर्माण अनुमति शुल्क, अग्निशमन विभाग द्वारा जारी अनापत्ति प्रमाणपत्र सहित विभिन्न प्रकार के शुल्कों से आय प्राप्त होती है. लेकिन खर्च की तुलना में यह आय बेहद कम है. सरकारी अनुदान के बगैर नगर परिषद का संचालन संभव नहीं है. बजट में शेष राशि केवल सरकारी अनुदान के कारण ही दिखाई देती है. इससे नगर परिषद की आय बढ़ाने के लिए पहल करने की जरूरत है.

महानगर में निःशुल्क जयपुर फुट, कृत्रिम पैर वितरण शिविर

अकोला, 9 फरवरी- दुर्घटना, गैंग्रीन व अन्य कारणों से अपना पैर खो चुके दिव्यांग मरीजों के लिए महानगर में निःशुल्क जयपुर फुट यानी कृत्रिम पैर वितरण शिविर का आयोजन किया गया है. स्थानीय दुर्गा चौक स्थित मुरारका अस्पताल में यह कृत्रिम पैर वितरण शिविर आयोजित होगा. घुटने से नीचे और ऊपर पैर खो चुके जरूरतमंद महिला, पुरुष मरीजों के लिए यह निःशुल्क शिविर

होगा, जिसमें उच्च गुणवत्ता वाले कृत्रिम पैर डॉ. कैलास मुरारका तथा डॉ. अचीन मुरारका के मार्गदर्शन में लगाए जाएंगे. मुरारका अस्पताल के माध्यम से अनेक बार ऐसे शिविर आयोजित किए गए हैं और विदर्भ के अनेक जिलों से मरीजों को भारी प्रतिसाद मिला है. इस निःशुल्क शिविर के लिए मरीजों का पंजीकरण शुरू हो चुका है.

जरूरतमंद मरीज चार बाई छह साइज के दो फोटो, पैर की जानकारी सहित हर्षित मुरारका द्वारा मां अंबे मेडिकल, मुरारका अस्पताल के पास, जठारपेठ रोड, दुर्गा चौक, अकोला, मोबाइल नंबर 8975685300 पर संपर्क करने की अपील की गई है.

सुमिरमा फाउंडेशन द्वारा वारकरियों की स्वास्थ्य जांच सेवा

मरीजों को औषधियों का भी वितरण

प्रतिनिधि/प्रतिदिन अखबार
अकोला, 9 फरवरी- सामाजिक और चिकित्सा सेवा कार्यों में सक्रिय सुमिरमा फाउंडेशन द्वारा गजानन महाराज प्रगट दिन के अवसर पर शेगांव जा रहे पैदल वारकरियों के लिये स्वास्थ्य जांच और औषधि वितरण अभियान चलाया गया. गायगांव रोड के पैदल वारी मार्ग पर आयोजित इस मुफ्त स्वास्थ्य जांच और औषध वितरण शिविर का सैकड़ों महिला-पुरुष वारकरियों ने लाभ उठाया. उन्होंने अपनी जांच करवाई और औषधों का लाभ लिया.

फाउंडेशन की अध्यक्षा डॉ. पूजा रमाकांत खेतान के नेतृत्व में आयोजित इस स्वास्थ्य जांच और औषधि वितरण शिविर का मान्यवरों की उपस्थिति में शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर डॉ. पूजा खेतान ने इस अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि फाउंडेशन द्वारा राष्ट्रीय और सामाजिक पर्वों पर लगातार ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं. शिविर में डॉ. पूजा खेतान और अन्य चिकित्सा दल ने रोगियों की जांच की, मार्गदर्शन दिया और मुफ्त औषधि वितरित कीं.

इस अभियान में फाउंडेशन के आशीष खिल्लारे, आनंद गाढ़े, संतोष वक्ते, सोनू ठाकुर, विनोद इंगले, विशाल धांडे, सागर शिंदे, आकाश सूर्यवंशी, नंदकिशोर गावंडे, मीना लांडे, कीर्ति काळे, श्रुति सदांशिव, अपूर्वा लांडे, श्रावणी काळे, पियूष मानकर, प्रवीण भोरे, सतपाल येललकर, विजू बोरे सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और वारकरी उपस्थित थे.

कागजों में नियम,लेकिन शहर में गंदगी

▶▶ई-रिक्शा चालक व सफाई कर्मचारी नदारद
▶▶नगरसेवक डॉ. नीरज वाघमारे स्वयं उतरे मैदान में

प्रतिनिधि/ प्रतिदिन अखबार
यवतमाल, 9 फरवरी, यवतमाल शहर की कचरा संकलन व्यवस्था की बदहाली एक बार फिर सामने आई है. ई-रिक्शा चालकों और सफाई कर्मचारियों की अनुपस्थिति के कारण वार्ड क्रमांक 10 में नियमित रूप से कचरा नहीं उठाया जा रहा था, जिससे पूरे इलाके में गंदगी का अंबार लग गया.

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए यवतमाल नगर पालिका के गटनेता एवं नगरसेवक डॉ. नीरज वाघमारे स्वयं मैदान में उतरे और ई-रिक्शा चलाकर कचरा संकलन किया. इस दौरान उन्होंने नागरिकों से संवाद कर उनकी समस्याएं और शिकायतें भी सुनीं. विशेष उल्लेखनीय है कि प्रशासक राज समाप्त होने और

भारतीय जनता पार्टी की सत्ता नगर पालिका में स्थापित होने के बावजूद शहर स्वच्छ और सुंदर बनने के बजाय और अधिक अस्वच्छ होता जा रहा है. कचरा संकलन का ठेका पाने वाले ठेकेदारों पर नगर पालिका का कोई प्रभावी नियंत्रण नहीं होने का आरोप नागरिकों ने लगाया.ठेकेदारों द्वारा सफाई कर्मचारियों की नियमित उपस्थिति, तय समय पर कचरा उठाना, ई-रिक्शाओं के दैनिक फेरे, कर्मचारियों के लिए यूनिफॉर्म और पहचान पत्र, तथा स्वच्छता नियमों का पालन इन सभी बातों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है.

स्वच्छ भारत अभियान, महाराष्ट्र नगर पालिका अधिनियम एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 के अनुसार घर-घर प्रतिदिन कचरा संकलन, गीले-सूखे कचरे का पृथक्करण, कर्मचारियों की नियमित हाजिरी और नियमों का उल्लंघन करने वाले ठेकेदारों पर दंडात्मक कार्रवाई करना नगर पालिका की जिम्मेदारी है, लेकिन वास्तविकता में इन नियमों का पालन नहीं हो रहा, ऐसा नागरिकों का कहना है.इस अवसर पर डॉ. नीरज वाघमारे ने चेतावनी देते हुए कहा कि नगरपालिका प्रशासन और सत्ताधारी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते. ठेकेदार, अधिकारी और कर्मचारियों की संयुक्त जिम्मेदारी तय कर नियम तोड़ने वालों पर तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए, अन्यथा आंदोलन किया जाएगा.यह घटना केवल एक वार्ड तक सीमित न होकर पूरे यवतमाल शहर की स्वच्छता व्यवस्था की विफलता का जीवंत उदाहरण बन गई है, ऐसी चर्चा नागरिकों में हो रही है.

तुकाराम मड़घे का निधन

संवाददाता/प्रतिदिन अखबार
चांदूर रेलवे, 9 फरवरी- पुरानी बस्ती रहाटगांव, अमरावती निवासी व सावंगा के विठोबा ग्रापं

(तहसील चांदूर रेलवे) के ग्राम पंचायत अधिकारी विनोद मड़घे के पिता तथा सेवानिवृत्त कृषि अधिकारी तुकाराम बलीराम मड़घे का वृध्दावस्था के चलते 85 वर्ष की उम्र में शनिवार, 7 फरवरी को निधन हो गया है. वे अपने पीछे 2 पुत्र, 2 पुत्रियां, बहुएं, दामाद तथा नातीपोतों सहित रिश्तेदारों का भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं.